



Abhijot

28 Aug 2010

Model: web-freenumerology

Order No: 121141702

अंक ज्योतिष फल

नाम	Abhijot
जन्म तिथि	28/08/2010
मूलांक	1
भाग्यांक	3
नामांक	3
मूलांक स्वामी	सूर्य
भाग्यांक स्वामी	गुरु
नामांक स्वामी	गुरु
मित्र अंक	4, 8, 3
शत्रु अंक	5, 6
सम अंक	2, 7, 9
मुख्य वर्ष	2026,2035,2044,2053,2062,2071,2080,2089
शुभ आयु	16,25,34,43,52,61,70,79
शुभ वार	रवि, सोम
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	1, 10, 19, 28
शुभ रत्न	माणिक्य
शुभ उपरत्न	लाल हकीक,लाल तुर्मली
अनुकूल देव	सूर्य
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	लाल
मंत्र	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः
शुभ यंत्र	सूर्य यंत्र

6	1	8
7	5	3
2	9	4

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 28 है। दो एवं आठ के योग से एक आपका मूलांक होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा आठ का शनि है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके जीवन में आयेगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य जीवनदाता है एवं ब्रह्माण्ड में स्थिर ग्रह है। अन्य सभी ग्रह तो सूर्य के चक्कर लगाते हैं। अतः सूर्य ग्रह के प्रभाववश आप एक स्थिर प्रकृति के महत्वाकांक्षी, उदीयमान, प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में पहचाने जायेंगे। आप स्वतंत्र विचार धारा के धनी होंगे। पराधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। आप प्रत्येक कार्य को स्वतंत्रता पूर्वक निष्पक्ष संपादन करने के हिमायती रहेंगे। इससे आपको प्रतिद्वन्दियों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। आप स्थायी एवं दीर्घ कालीन संबंध बनाने पर विश्वास करेंगे। आपकी कोशिश हमेशा यही रहेगी कि जब भी आप किसी के साथ मित्रता, व्यापारिक, सामाजिक, राजनैतिक अथवा प्रेम, रोमांस, इत्यादि के जो भी संबंध बनाएँ उनमें स्थायित्व रहे।

सूर्य जिस तरह प्रकाशित ग्रह है। उसी भाँति आप भी अपने जीवन में सदा प्रकाशित रहना पसन्द करेंगे। समाज वर्ग विशेष में मुखिया की भूमिका आप बखूबी निभाने की क्षमता रखेंगे। अपनी मेहनत के बल पर आप सभा-सोसायटी, संगठनों इत्यादि में प्रमुख पद को प्राप्त करेंगे।

अंक दो के स्वामी चन्द्र के कारण आपमें कल्पनाशीलता अच्छी रहेगी। आप जो भी सृजन करेंगे उसमें मौलिकता रहेगी। अंक आठ का स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से कभी-कभी आपके अन्दर नैराश्य भाव जाग्रत होगा। आलस्य में वृद्धि होगी और बनते हुये कार्यों में रुकावटें आयेंगी।

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।